| उदयपुर | सोमवार, 10 मार्च 2003 | फाल्गुन शु.7, 2059 |

दैनिक भास्कर

डेढ़ करोड़ पाठकों के विश्व इतिहास की ओर — मूल्य 2.50 रु. | कुल पृष्ठ 16

महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन द्वारा सम्मानित विशिष्ट विभूतियां-ऊपर बायें से दायें-एम.एम. कै की पुत्री मिकी हैंडलटन, ओम थानवी, जावेद अख्तर, एडमिरल वासुदेव बोस, गंगा आर.सिंह, नंदलाल तिवारी, पीरूभाई पंवार, डा. के.एच. संचेती की पुत्री रूपल भार्गव, मोहनलाल श्रीमाली, पं. महादेव शुक्ल, आचार्य (डा.) नारायण शास्त्री। नीचे बायें से दायें- डा. आनंद शर्मा, डा. बृजमोहन जावलिया, पद्मभूषण डा. गिरिजा देवी, डा. ज्योति स्वरूप शर्मा, कमल शर्मा, सांसद ताराचंद भगोरा, मास्टर अमन ज्योतसिंह, मेजर राज्यवर्धनसिंह के पिता लक्ष्मणसिंह, रेणु शेखावत, कर्नल गुमानसिंह के [illegible]

धर्म से नहीं उसूल व सच्चाई से बनती हैं कौमें:जावेद अख्तर

कौन गलत था और कौन सही यह इतिहास बताएगा लेकिन, हम नादान हैं जो देखते हैं और लिखते हैं वह भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तलवार को लेकर हकीम खां हल्दीघाटी के मैदान में गए उसको जान देने के बाद भी हाथ से नहीं छोड़ा क्योंकि वह सिर्फ तलवार नहीं थी, उसूल व आदर्श था। जावेद ने कहा कि कौमें धर्म से नहीं उसूलों व सच्चाई से बनती हैं। कुछ लोगों ने धर्म से कौम बनाने की कोशिश की जिसका नतीजा यह हुआ कि देश विभाजित हो गया। समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण भारतीय मूल की ब्रिटिश लेखिका एम.एम.कै को को प्रदान करने की घोषणा की गई लेकिन, वृद्धावस्था के कारण वे नहीं पहुंची। उनकी पुत्री निकी हैंडलटन ने यह सम्मान ग्रहण किया। पुरस्कार स्वरूप 51 हजार रुपए का चैक, रजत तोरण, शॉल व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती हैंडलटन ने भारतीय भूमि की प्रशंसा की और अपनी मां की ओर से आभार व्यक्त किया। पत्रकारिता के लिए हल्दीघाटी सम्मान से इस वर्ष ओम थानवी को नवाजा गया। श्री थानवी ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर चिन्ता व्यक्त की और कहा कि आज की पत्रकारिता गंभीरता से हट कर रंगीन और व्यावसायिक हो गई है और ऐसा लगता है जैसे अखबार नहीं छप कर मेगजिन या टीवी की प्रस्तुती हो रही है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में स्थाई मूल्यों की सेवा के लिए महाराणा उदयसिंह अलंकरण इस वर्ष भारतीय नौ सेना की इकाई नेवल डॉकयार्ड, मुंबई को प्रदान किया गया। लगभग 266 वर्ष पुरानी हेरिटेज संपदा की मालिक इस इकाई का कार्य 263 एकड़ भूमि पर फैला है। ठोस कचरा निस्तारण, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण; अपशिष्ट जल परिशोधन संयंत्र की स्थापना, बगीचे व लॉन विकसित कर संपूर्ण परिसर को इको-फ्रेन्डली बनाने की दिशा में इस यूनिट के प्रयास एवं उनके परिणाम अनुकरणीय रहे हैं। यह पुरस्कार एडमिरल वासुदेव बोस ने ग्रहण किया। दायित्व सीमा से ऊपर उठ कर की जाने वाली समाज की स्थाई मूल्य की सेवाओं के लिए पत्राधाय अलंकरण जयपुर की श्रीमती गंगा आर. सिंह को प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इन पुरस्कारों के तहत 25 हजार रुपए नगद, रजत तोरण, शॉल व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में दिया जाने वाला डागर घराना सम्मान अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय, चैती, कजरी एवं भजन गायिका पद्मभूषण डा. गिरिजा देवी को प्रदान किया गया। उन्हें दस हजार रुपए, रजत तोरण, शॉल व प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। समाज में वैदिक परंपराओं की स्थापना एवं व्यावहारिक कर्मकांड के प्रचार-प्रसार में श्रेष्ठ योगदान के लिए बांसवाड़ा के पं. महादेव शुक्ल तथा वैदिक साहित्यसृजन के लिए जयपुर के आचार्य नारायण शास्त्री को हारीतराशि सम्मान से नवाजा गया। इसके तहत पांच हजार रुपए नकद, तोरण, शॉल व प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। भारतीय संस्कृति, साहित्य व इतिहास के क्षेत्र में दिए जाने वाले महाराणा कुंभा सम्मान के तहत इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत उदयपुर के डा. बृजमोहन जावलिया एवं साहित्य के क्षेत्र में जयपुर के डा. आनंद शर्मा को सम्मानित किया गया। इसके तहत पांच-पांच हजार भेंट किए गए। समाज में शैक्षिक, चारित्रिक, नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए दी जाने वाली स्थायी मूल्य की सेवाओं के लिए महाराणा मेवाड़ अलंकरण से इस वर्ष उदयपुर में महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय में कई वर्षों से गरीबों को निशुल्क भोजन व दवाइयां उपलब्ध कराने में लगे उदयपुर के पीरू भाई पंवार, हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप की स्मृति में संग्रहालय की स्थापना करने वाले मोहनलाल श्रीमाली; आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से कैंसर की दवा विकसित करने वाले डा. नंदलाल तिवारी एवं कृत्रिम घुटने का निर्माण करने वाले पुणे के डा. के. एच. संचेती के स्थान पर उनकी पुत्री रूपल भार्गव को बारह-बारह हजार रुपए, रजत तोरण एवं प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। फाउंडेशन द्वारा ललित कला क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान के तहत जोधपुर के डा. ज्योति स्वरूप शर्मा एवं उदयपुर के श्री कमल शर्मा को महाराणा सज्जनसिंह सम्मान, मेवाड़ के आदिवासी समाज के उत्थान के लिए राणा पूंजा सम्मान डूंगरपुर के ताराचंद भगोरा, राज्य के खिलाड़ियों को दिए जाने वाले अरावली सम्मान के तहत राष्ट्रमंडलीय खेलों में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक विजेता बीकानेर के मेजर राज्यवर्द्धनसिंह राठौड़ के स्थान पर उनके पिता सेवानिवृत कर्नल लक्ष्मणसिंह एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्फ में विशिष्ठ उपलब्धियां अर्जित करने वाले जयपुर के मास्टर अमनज्योतसिंह को नवाजा गया। इनके अलावा भारतीय वायु सेना में राजस्थान की प्रथम महिला पायलेट रेणु शेखावत (सिंदथ-सिरोही), साहित्य क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धियों के लिए रवि एस. वर्मा एवं कोटा के सेवानिवृत्त कर्नल कुंवर गुमानसिंह के स्थान पर उनके प्रतिनिधि हनुमंतसिंह को भारतीय सेना में देश की रक्षार्थ दी गई उत्कृष्ट सेवाओं के उपलक्ष्य में विशिष्ठ सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने वाले भामाशाह, महाराणा राजसिंह एवं महाराणा फतहसिंह पुरस्कारों के तहत इस वर्ष 104 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल अंशुमानसिंह ने समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को दूसरे के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनाने के लिए महाराणा भगवतसिंह द्वारा स्थापित महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन की परिकल्पना की प्रशंसा की। महंत मुरली मनोहर शरण शास्त्री ने कहा कि ऐसे धरोहर राष्ट्र की धरोहर बन गए हैं जिससे युवा पीढी प्रेरणा लेकर नए भारत का निर्माण करेगी। मेवाड़ ने सदियों से भारतीय संस्कृति की रक्षा इसी तरह की है। प्रारंभ में अरविंदसिंह मेवाड़ ने स्वागत किया और समारोह के बारे में जानकारी दी।

मालगाड़ी ट्रॉली से टकराई, इंजिन व दो डिब्बे पटरी से उतरे

लाल झंडी नहीं लगी होने के कारण चालक को वांछित संकेत नहीं मिल पाए और मालगाड़ी ने ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर से इंजिन सहित तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। करीब 100 से 150 मीटर पटरी भी क्षतिग्रस्त हो गई। ट्रॉली पर सवार कर्मचारी मालगाड़ी टकराने के ठीक पहले कूद गए । उक्त हादसा यदि एकाध मिनट बाद होता तो इंजिन सहित मालगाड़ी नदी में जा गिरती व जनहानि सहित बहुत अधिक नुकसान हो सकता था। हादसे के बाद इस मार्ग पर आने-जाने वाली चित्तौड़-अहमदाबाद 431 यात्री गाड़ी जावर से ही वापस चित्तौड़ भेज दी गई। अहमदाबाद से चित्तौड़ जाने वाली 432 यात्री रेल को डूंगरपुर से वापस अहमदाबाद भेज दिया गया। रात्रि में आने वाली अहमदाबाद-दिल्ली एवं उदयपुर-अहमदाबाद रेलें भी रोक दी गई। रेलवे पथ निरीक्षक पुष्पेन्द्र जैमिन ने बताया कि क्षतिग्रस्त मार्ग को ठीक करने में करीब 15 घंटे लग लगेंगे व मार्ग सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे तक शुरु हो पाएगा। जैमिन ने बताया कि हादसे के लिए जिम्मेदार कारणों की जांच की जा रही है।

क्यों तय नहीं है अभी भारत का सेमीफाइनल

भारत और जिम्बाब्वे को हराकर श्रीलंका 15.5 अंकों के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकता है। इसी तरह यदि न्यूजीलैंड आस्ट्रेलिया से हार जाता है, लेकिन भारत को हरा देता है तो वह 12 अंकों के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लेगा। भारत केन्या को हराकर अपने अंक 12 जरूर कर चुका है, लेकिन न्यूजीलैंड ने उसे हराया है। इसलिए सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को प्राथमिकता दी जाएगी। इस स्थिति में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमें आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, केन्या और न्यूजीलैंड होगी।

वे दो सौ करोड़ नीट पी गए, ये रहे बेखबर

जिला आबकारी अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद पर लगने को लालायित रहने वाले अफसर तक अब विकल्प तलाश रहे हैं। आबकारी विभाग से जुड़े लोग इस मामले में हाल ही कोटा के जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) के स्वेच्छा से अपना तबादला कराने का उदाहरण दे रहे हैं।

अयोध्या में माहौल गरमाया विशेषज्ञ पहुंचे, कड़ी सुरक्षा

इस दौरान यह भी ध्यान में रखा जाय कि रामलला के दर्शनार्थियों को कोई परेशानी नहीं हो। अदालत ने यह भी कहा था कि खुदाई का काम समयबद्ध तरीके से एक नियत समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए तथा अद्यतन स्थिति से अदालत को अवगत कराया जाए। उधर पुरातत्व विभाग के सूत्रों ने बताया कि दिल्ली से आई विशेष टीम खुदाई के लिए ऐसी तकनीक अपनाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस दौरान पाए जाने वाले किसी अवशेष को पूरी तरह सुरक्षित रखा जा सके।

ट्रैक के बीच नवजात धड़धड़ाती गुजरी ट्रेन

असल जिंदगी में जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यह वाकया सामने आया जब प्लेटफार्म नंबर एक से बीकानेर एक्सप्रेस एक नवजात शिशु के ऊपर से निकल गई और बच्चा सही सलामत रेलवे अफसरों और पुलिस के हाथ लगा। रेलवे अफसरों ने आशंका व्यक्त की है कि यह शिशु या तो ट्रेन की बोगी के टॉयलेट में पैदा हुआ या फिर उसकी मां उसे टॉयलेट से पटरियों पर पटक गई। वाकया दोपहर तीन बजे का है। प्लेटफार्म नंबर एक से गुजर रही बीकानेर एक्सप्रेस की आखिरी बोगी जैसे ही प्लेटफार्म से निकली तभी वहां से आ रही एक लेडी डाक्टर को यह शिशु रोता हुआ पटरियों के बीच दिखाई दिया।

आंदोलन में फिर कूदने को तैयार है संघ

पर अब हमें लग रहा है कि स्वयंसेवकों के लिए उसमें फिर से शामिल होने का समय आ गया है। केंद्र में भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार के कामकाज के बारे में पूछे जाने पर, भागवत ने कहा कि आरएसएस उसको पूरे नंबर नहीं देना चाहता। हमारी नजर में इस सरकार का राज 'कहीं खुशी कहीं गम' (मिलीजुली स्थिति) जैसा है और यह जनता की राय से ज्यादा अलग नहीं है। देश के आर्थिक विकास के लिए स्वदेशी मॉडल पर संघ की राय के बारे में पूछे जाने पर, भागवत ने बताया कि प्रतिनिधि सभा की बैठक के एक पूरे सत्र में इस मुद्दे पर चर्चा हुई और तय किया गया कि स्वयंसेवकों को प्रचार-प्रसार करने से पहले, खुद स्वदेशी का पालन करना चाहिए।